सांध्य दैनिक 4PM

वहां मत जाइये जहां रास्ता ले जाए बल्कि वहां जाइये जहां कोई रास्ता नहीं है और वहां अपने निशान छोड़ जाइये।
–राल्फ वाल्डो इमर्सन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 138 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 23 जून, 2022

नहीं मिली एंबुलेंस, डिप्टी सीएम... 8 | लोक सभा उपचुनाव : अखिलेश रहे... 3 | मेधावियों से बोले सीएम योगी, पूरे... 7

और लोकप्रिय हुआ 4PM का यूट्यूब चैनल जुड़े चार लाख दर्शक

गंभीर विषयों पर परिचर्चा बनी देश-विदेश के लाखों दर्शकों की पहली पसंद, 135 देशों में देखा जाता है चैनल

» एडिटर-इन-चीफ संजय शर्मा ने दर्शकों को दिया धन्यवाद, और बेहतर कंटेंट का दिया भरोसा

» लुटियंस अड्डा और डिबेट को सुनते हैं रोज हजारों लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 4पीएम का यूट्यूब चैनल लगातार लोकप्रियता की सीढ़ियां चढ़ता जा रहा है। दुनिया भर के लाखों लोग इसे रोजाना देख रहे हैं। चैनल के सब्सक्राइबर की संख्या चार लाख पहुंच चुकी है। ये वे दर्शक हैं जो चैनल से सीधे जुड़े हैं और हर विषय पर अपनी प्रतिक्रियाएं हम तक पहुंचाते हैं। एडिटर-इन-चीफ संजय शर्मा ने सभी दर्शकों को धन्यवाद देते हुए और बेहतर कंटेंट और विषयों को दर्शकों के बीच लाने का भरोसा दिया है।

4पीएम यूट्यूब चैनल ने बेहद कम समय में विभिन्न विषयों पर गंभीर परिचर्चा, राजनीतिक विश्लेषण और खबरों से अपनी अलग पहचान बनायी है। विभिन्न विषयों पर परिचर्चा और राजनीतिक विश्लेषण दर्शकों की पहली पसंद बना हुआ है। देश-विदेश के लाखों दर्शक न केवल इसका लाइव प्रसारण देखते हैं बल्कि अपनी त्वरित टिप्पणी से भी हमें अवगत कराते हैं। निष्पक्ष पत्रकारिता, बेबाक राय, गंभीर विचार-विमर्श और खबरों के पीछे की खबर के कारण दर्शक चैनल से तेजी से जुड़ रहे हैं और इनकी संख्या रोज बढ़ रही है। चैनल दुनिया के 135 देशों में देखा जाता है और आज चैनल के चार लाख सब्सक्राइबर हो गए हैं। रात आठ बजे चैनल के लुटियंस अड्डा शो को हजारों लोग रोज देखते हैं। गंभीर विषयों पर आधारित इस शो का संचालन वरिष्ठ पत्रकार अभिषेक कुमार करते हैं। एडिटर-इन-चीफ संजय शर्मा ने अभिषेक कुमार को भी शुक्रिया कहा है। एडिटर-इन-चीफ संजय शर्मा ने कहा कि चैनल की इस उपलब्धि के लिए दर्शकों को बहुत-बहुत धन्यवाद। निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए आप सभी हमारा ऐसे ही उत्साहवर्धन करते रहिए। यूट्यूब चैनल की टीम की निधि तिवारी, सुष्मिता मिश्रा, निधि मिश्रा, आयुष मिश्रा, शरन सिंह, क्षितिज कांत, शुभम शर्मा और अब्दुल हमीद ने भी सभी दर्शकों का आभार व्यक्त किया है।

शिवसेना में आर-पार की जंग खतरे में उद्धव की कुर्सी !

» बागी विधायकों की संख्या बढ़ी बैठक में पहुंचे मात्र 12 एमएलए

» बागी विधायकों ने सीएम उद्धव ठाकरे पर लगाए गंभीर आरोप

» तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने असम में बागी विधायकों के होटल के सामने किया प्रदर्शन

» भाजपा खेमे में बढ़ी हलचल फडणवीस को सीएम बनाने के लगे पोस्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में सियासी संकट गहराता जा रहा है। शिवसेना में उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुट के बीच आर-पार की जंग शुरू हो चुकी है। बागी विधायकों की संख्या बढ़ने से सीएम उद्धव ठाकरे और कमजोर हुए हैं और उनकी कुर्सी खतरे में पड़ गयी है। शिंदे की अगुवाई में बागी विधायकों ने उद्धव ठाकरे को खुला पत्र लिखकर उन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। दूसरी ओर असम में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बागी विधायकों के होटल के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

शिवसेना में बगावत चरम पर पहुंच चुकी है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के अधिकांश विधायक एकजुट हो गए हैं। यही वजह है कि शिवसेना की बैठक में आज महज उसके 12 विधायक ही पहुंचे जबकि महाराष्ट्र में शिवसेना के 55 विधायक हैं। एकनाथ शिंदे ने कहा है कि उनको शिवसेना के 42 विधायकों का समर्थन मिलेगा। इसके अलावा शिंदे के साथ सात निर्दलीय विधायक भी हैं। शिंदे ने डिप्टी स्पीकर को लिखा है कि वह शिवसेना के विधायक दल के असली नेता है। शिंदे के साथ विधायकों की फोटो भी वायरल हो रही है। शिवसेना में हुई बगावत को लेकर एनसीपी की बैठक हुई। शरद पवार ने कहा कि उन्होंने सीएम उद्धव से कड़ा कदम उठाने को कहा है। एनसीपी उनके साथ है। वहीं पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस के समर्थकों की ओर से औरंगाबाद में कुछ बैनर लगाए गए हैं, जिसमें उनके सीएम बनने की उम्मीद जताई गई है।

भाजपा ने कसा तंज

भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक उथल-पुथल पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि डमी कार और डायलिसिस वाली सरकार ज्यादा दिन नहीं चलती। इस सवाल पर कि महाराष्ट्र में अब क्या होगा, नकवी ने सीधा जवाब नहीं देते हुए कहा जब रात है इतनी मतवाली तो सुबह का आलम क्या होगा।

क्यों छोड़ा साथ, जल्द होगा खुलासा : राउत

शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि गुवाहाटी में मौजूद 20 विधायक उनकी तरफ हैं। आज भी हमारी पार्टी मजबूत है। किस हालात और किस दबाव में उन लोगों ने हमारा साथ छोड़ा उसका खुलासा जल्द होगा।

राज्यपाल को भेजा पत्र

शिंदे गुट ने 34 विधायकों के हस्ताक्षर वाला पत्र राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को भेजा है। पत्र में कहा गया है कि एकनाथ शिंदे ही शिवसेना विधायक दल के नेता हैं। गौरतलब है कि शिवसेना ने शिंदे को विधायक दल के नेता पद से हटा दिया था।

ठाकरे ने की थी इस्तीफे की पेशकश

उद्धव ठाकरे ने कल बागी विधायकों को संदेश दिया था। उन्होंने कहा था कि कोई गद्दारी नहीं करे और सामने आ कर बात करे। ठाकरे ने यह भी कहा कि मैं सीएम पद और पार्टी प्रमुख की कुर्सी भी छोड़ने को तैयार हूं और मेरे बाद कोई शिवसैनिक अगर सीएम बनेगा तो मुझे खुशी ही होगी। इसके साथ ही उद्धव ठाकरे कल मुख्यमंत्री आवास छोड़कर मातोश्री चले गए थे।

एकनाथ शिंदे ने जारी किया ओपन लेटर

एकनाथ शिंदे ने बागी विधायकों की ओर से लिखे गये खुले पत्र को जारी किया है। पत्र में लिखा है कि आपने जब वर्षा यानी सीएम आवास छोड़ा तो काफी भीड़ वहां दिखाई दी। अच्छा हुआ कि पहली बार इस बंगले के दरवाजे आम लोगों के लिए भी खोले गए। पिछले ढाई साल से इस बंगले के दरवाजे बंद थे। विधायक होकर भी हमें आपसे मिलने के लिए आपके करीबियों के आगे-पीछे घूमना पड़ता है। आपके पास इकट्ठा हुए कथित चाणक्यों ने हमें राज्य सभा और विधान परिषद चुनाव की रणनीति से दूर रखा। नतीजा सबके सामने है। हमें कहा गया कि छठी मंजिल पर आप लोगों से मिल सकते हैं, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। अपने विधान सभा क्षेत्रों पर काम के लिए हमने कई बार संपर्क किया तो फोन तक नहीं उठते। ये सारी चीजें हम भुगत रहे थे और सभी विधायकों ने यह सहन किया है। हमने आपके आसपास के लोगों को यह बताने की कोशिश की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। यह सब जब हुआ तो एकनाथ शिंदे हमारे लिए तैयार रहे और चिंता की। अब हम सब न्याय और हक के लिए एकजुट हुए हैं। इसके अलावा अन्य बातें भी लिखी गयी हैं।

लोक सभा उपचुनाव

आजमगढ़ और रामपुर में उमड़े मतदाता

» मतगणना 26 जून को, सपा ने चुनाव आयोग से की कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित करने की शिकायत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ और रामपुर की दो लोक सभा सीटों के लिए आज मतदान हुआ। बूथों पर मतदान के लिए मतदाताओं की भीड़ उमड़ी रही। वहीं सपा ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर सपा कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित करने का आरोप पुलिस प्रशासन पर लगाया है। दोपहर एक बजे तक रामपुर में 26.39 और आजमगढ़ में 29.48 फीसदी मतदान हुआ। मतगणना 26 जून को होगी

आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा सीटों पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ। आजमगढ़ में भाजपा से दिनेश लाल यादव निरहुआ, सपा से धर्मेंद्र यादव और बसपा से शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली चुनाव लड़ रहे हैं जबकि रामपुर से सपा प्रत्याशी आसिम रजा और भाजपा से घनश्याम लोधी मैदान में हैं। गौरतलब है कि आजमगढ़ से अखिलेश यादव जबकि रामपुर से आजम खां ने विधान सभा चुनावों में जीत हासिल की है जिसके बाद उन्होंने लोक सभा सीट से इस्तीफा दे दिया था।

इन सीटों पर भी हुए उपचुनाव

देश के चार राज्यों दिल्ली, झारखंड, आंध्र प्रदेश और त्रिपुरा की सात विधान सभा सीटों पर उपचुनाव हुए। दिल्ली की राजिंद्र नगर विधान सभा, झारखंड की मंडार, आंध्र प्रदेश की आत्माकुर और त्रिपुरा की चार सीट अगरतला, टाउन बरदोवाली, सूरमा और जबराजनगर सीट पर वोटिंग हुई। इसके अलावा पंजाब की संगरूर लोक सभा सीट पर भी मतदाताओं ने प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला किया।

निषाद बोले, मत्स्य पालकों को स्वावलंबी बनाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मत्स्य विभाग मत्स्य पालकों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए कई योजनाओं को शुरू कर रहा है और इससे रोजगार के द्वार भी खुलेंगे। चालू वित्तीय वर्ष के लिए प्रधानमंत्री संपदा योजना के तहत संचालित विभिन्न परियोजनाओं में आवेदन आमंत्रित करने को 1 से 15 जुलाई तक पोर्टल खोला जाएगा। यह जानकारी मत्स्य विभाग मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने अपने विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास पर मीडियाकर्मियों को दी।

डॉ. निषाद ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत वर्ष 2022-23 में शेष परियोजनाओं को पूरा करने के साथ साथ नए प्रस्ताव भी जनपदों से आमंत्रित करते हुए प्रदेश की वृहद कार्ययोजना तैयार कर भारत सरकार को प्रेषित की जाएगी। मुख्यमंत्री द्वारा दो नई योजनाएं मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना और निषादराज बोट योजना के माध्यम से ग्राम समाज के तालाबों के पट्टेधारकों एवं मछुआरों के लिए सौगात दी गई है। इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा प्रारंभिक स्तर पर चार करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। डॉ. निषाद ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत पिछले दो वर्षों में 625 हेक्टेयर नए तालाबों का निर्माण जैसी इन्फ्रास्टक्चर परियोजनाएं स्थापित होने से रोजगार सृजित हुए हैं।

दोनों उपचुनावों में जनता सपा के साथ : अखिलेश

» मैं और नेताजी आजमगढ़ के लिए पराए नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की दो लोकसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव को लेकर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा नेताजी मुलायम सिंह यादव और मैं आजमगढ़ के लिए पराए नहीं, बल्कि परिवार के अपने सदस्य रहे हैं। और हम दोनों को यहां के मतदाताओं ने विजयी बनाकर लोकसभा में भेजा था। ठीक इसी तरह इस बार भी दोनों उपचुनावों में सपा प्रत्याशी ही जीतेंगे। हमें जनता पर पूरा विश्वास है, वह सपा का ही साथ देगी।

अखिलेश ने मतदाताओं से बीजेपी की अफवाहों से सावधान रहने के लिए कहा है। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी गुमराह करने के लिए कई झूठी बातें प्रचारित कर सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर रही है। सत्ताधारी बीजेपी पर निशाना साधते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आजमगढ़ और रामपुर की जनता बीजेपी राज में महंगाई, भ्रष्टाचार और बुलडोजर से बुरी तरह त्रस्त हो चुकी है। बीजेपी सरकार ने इन क्षेत्रों में विकास नहीं किया। जो कुछ विकास यहां हुआ है वह समाजवादी सरकार के समय हुआ है। बीजेपी राज में शिक्षा-स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हैं। अस्पतालों में न दवा है न इलाज। जनता इस सच्चाई को जानती है। इसलिए बीजेपी चाहे जो कर ले, लेकिन उसकी हार और समाजवादी पार्टी की जीत सुनिश्चित है। सपा मुखिया ने कहा छात्रों से छात्रवृत्ति, गरीबों से राशन, और किसानों से सम्माननिधि छीनी जा रही है। नौजवान बेरोजगारी के शिकार हैं। महंगाई बेलगाम बढ़ रही है। जनता समाजवादी पार्टी को ही एकमात्र विकल्प मानती है। आजमगढ़ और रामपुर दोनों संसदीय उपचुनाव में बीजेपी हार के डर से बौखलाहट में लोकतंत्र की पवित्रता नष्ट करना चाहती है लेकिन जनता बीजेपी की साजिशों को कभी भी सफल नहीं होने देगी। वहीं पार्टी का मानना है कि वह दोनो ही सीटें आसानी से निकाल रही है। गौरतलब है कि आजमगढ़ में 1149 मतदान केंद्र और 2176 मतदान स्थल बनाए गए हैं, जहां 18,38,000 मतदाता अपने मताधिकारों का प्रयोग कर रहे हैं। आजमगढ़ में कुल 13 उम्मीदवार इस उपचुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र में यादव और मुस्लिम मतदाताओं का दबदबा है। यहां यादव वोटरों की तादाद 21 प्रतिशत है जबकि मुस्लिम मतदाता 15 प्रतिशत हैं।

आजमगढ़ में खिलने वाला है कमल : केशव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव को मालूम हो गया है कि आजमगढ़ में कमल खिलने वाला है। इसलिए वे वहां प्रचार करने नहीं गए। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में आजमगढ़ से बीजेपी को भले ही एक भी सीट न मिली हो, लेकिन सबका साथ सबका विकास के तर्ज पर ही योगी सरकार आजमगढ़ में भी विकास कार्य करा रही है। वहीं, इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने निरहुआ के समर्थन में रैली करके आजमगढ़ को आर्यमगढ़ बनाने के संकेत दिए थे तो साथ ही कहा था कि आजमगढ़ को आतंकगढ़ बनने का अवसर मत दीजिएगा।

गौरतलब है कि आजमगढ़ और रामपुर का उपचुनाव बीजेपी से ज्यादा सपा के लिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि दोनों ही सीटें सपा की रही हैं। आजमगढ़ का इलाका सपा का गढ़ माना जाता है और अखिलेश यादव के के इस्तीफे देने के बाद लोकसभा चुनाव हो रहे हैं। इस तरह से आजमगढ़ में अखिलेश और रामपुर में आजम खान की परीक्षा होनी है। इतना ही नहीं, सपा के यादव नेताओं को बीजेपी अपने साथ मिलाकर आजमगढ़ में धर्मेंद्र यादव के खिलाफ जबरदस्त चक्रव्यूह रचा इसके बावजूद अखिलेश न ही आजमगढ़ और न ही रामपुर में चुनाव प्रचार के लिए उतरे हैं।

उत्तराखंड में पहली बार महिला हो सकती है मुख्य सचिव!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में पहली बार विधानसभा स्पीकर के तौर पर एक महिला की ताजपोशी के बाद अब महिला को मुख्य सचिव पद भी मिल सकता है। सूत्रों के हवाले से बड़ी खबर यह है कि राज्य में अपर मुख्य सचिव के पद पर सेवारत राधा रतूड़ी को उत्तराखंड के आला नौकरशाह का पद मिल सकता है।

मौजूदा चीफ सेक्रेटरी एसएस संधू को केंद्र में अहम जिम्मेदारी मिलने का रास्ता साफ हो चुका है। इसके बाद सीएस के पद के लिए राधा रतूड़ी का नाम आगे चल रहा है। मुख्य सचिव के पद के लिए सचिव वित्त सौजन्य ने भी डेप्यूटेशन के लिए अप्लाई किया है, लेकिन इस रेस में रतूड़ी का नाम आगे माना जा रहा है। चूंकि आईएएस कैडर में रतूड़ी सबसे वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हैं, लेकिन मध्य प्रदेश कैडर की होने के चलते कैडर में बदलाव होने से वह अपने 1988 बैच के अधिकारियों से पिछड़ गई थीं। वर्तमान में रतूड़ी सीएमओ के साथ ही गृह और सचिवालय प्रशासन के लिए अपर मुख्य सचिव के तौर पर सेवाएं दे रही हैं।

मुश्किल में सपा विधायक पल्लवी पटेल, निर्वाचन आयोग से छिपाई आपराधिक जानकारी

» केशव मौर्य को हराने वाली पल्लवी ने निर्वाचन आयोग के नोटिस को दी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कौशांबी की सिराथू विधानसभा सीट से सपा विधायक पल्लवी सिंह पटेल ने निर्वाचन आयोग के नोटिस को चुनौती दी है। उनकी याचिका की सुनवाई 23 जून को होगी। उन्होंने याचिका में निर्वाचन आयोग की नोटिस को चुनौती दी है। यह आदेश जस्टिस सुनीता अग्रवाल और जस्टिस विक्रम चौहान की खंडपीठ ने दिया है।

दरअसल, सपा विधायक पल्लवी पटेल पर 2022 विधानसभा चुनाव में नामांकन पत्र में अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मुकदमे की जानकारी छिपाने का आरोप है। सिराथू के दिलीप पटेल की इसी शिकायत पर निर्वाचन आयोग ने मामले में संज्ञान लिया। उसके बाद एसडीएम सिराथू ने पल्लवी को गत 18 व 25 मई और 3 जून को नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा है। याचिका में इसी नोटिस को चुनौती दी गई है। आरोप है कि विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने अपने नामांकन पत्र में अपने खिलाफ दर्ज मुकदमों की जानकारी छिपाई और क्षेत्र के मतदाताओं को गुमराह कर अपने पक्ष में वोट हासिल किए। शिकायत में कहा गया है कि पल्लवी पटेल और उनके पति के खिलाफ लखनऊ में फर्जी दस्तावेजों के जरिए फ्लैट हड़पने का मुकदमा गोमतीनगर थाने में दर्ज है। इसके अलावा कानपुर में भी पैतृक मकान हड़पने का मुकदमा वहां की अदालत में चल रहा है। बीते विधानसभा चुनाव में अपने नामांकन फॉर्म में उन्होंने ये जानकारियां छिपाई हैं। पल्लवी पर आरोप है कि उन्होंने अपनी मां को सांसद बनाने का प्रलोभन देकर परिवारिक संपत्ति हड़पने का प्रयास किया और चुनाव के दौरान चंदे में मिली रकम अपनी ससुराल जबलपुर भेज दी।

संजय गांधी की पुण्यतिथि पर मेनका और वरुण ने दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूर्व कांग्रेसी नेता संजय गांधी की पुण्यतिथि पर भाजपा सांसद मेनका गांधी और वरुण गांधी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सुल्तानपुर से लोकसभा सांसद मेनका गांधी संजय गांधी की पत्नी तो पीलीभीत से लोकसभा सांसद वरुण गांधी उनके बेटे हैं। दोनों लोगों ने गुरुवार सुबह दिल्ली स्थित समाधि स्थल पर जाकर पूर्व कांग्रेस नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। वरुण गांधी ने ट्वीट किया कि आज मैंने अपने दिवंगत पिताजी संजय गांधी की 42वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वे अपने समय से बहुत आगे का सोचते थे और मजबूत व आत्मनिर्भर भारत के लिए उन्होंने काम किया। उनमें आगे के लिए योजना बनाने की दूरदृष्टि थी व उस पर काम करने की शक्ति भी। पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता इंदिरा गांधी के छोटे बेटे संजय गांधी का जन्म 14 दिसंबर 1946 को हुआ था। उनका निधन 23 जून 1980 को एक विमान हादसे में हुआ था।

लोक सभा उपचुनाव : अखिलेश रहे दूर आजम रहे सपा के स्टार प्रचारक

» ये चुनाव भाजपा और सपा के बीच प्रतिष्ठा का प्रश्न

» दोनों सीटों पर मतदान जारी, देखने को मिल रही कड़ी टक्कर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की दो लोकसभा सीट आजमगढ़-रामपुर के उपचुनाव में आज मतदान हो रहा है। दोनों सीटों पर भाजपा और सपा के प्रत्याशियों में कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। हालांकि सपा प्रमुख अखिलेश यादव और उनके पिता मुलायम सिंह यादव ने इस उपचुनाव में चुनाव प्रचार से दूरी बनाए रखी। चुनाव प्रचार तब और रोचक हुआ जब सीएम योगी खुद पूर्वांचल के आजमगढ़ और पश्चिमी यूपी के रामपुर में प्रचार करने पहुंचे।

सीएम योगी के अलावा समाजवादी पार्टी की तरफ से आजम खां ने दोनों सीटों पर प्रचार करते हुए कई तल्ख बयान दिए। ये चुनाव भाजपा और सपा के बीच प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गया। फिलहाल ये तो परिणाम ही बताएगा कि दोनों सीटों पर विजेता कौन होता है। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि अखिलेश ये संदेश देना चाहते हैं कि ये उनकी पारिवारिक सीट है। वहीं पार्टी से जुड़े जानकार मानते हैं कि किसी भी उपचुनाव में अखिलेश यादव प्रचार नहीं करते हैं। अखिलेश ने आजम खां को दोनों जगह तरजीह दी है ताकि मुस्लिम-यादव समीकरण मजबूत रहे। शिवपाल ने भी प्रचार से किनारा कर रखा है। माना जा रहा है कि वह नाराज हैं। अगर 2019 में हुए लोक सभा चुनाव के आंकड़ों को देखें तो इस सीट पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव को जीत मिली थी। उन्होंने भाजपा के दिनेश लाल यादव निरहुआ को ढाई लाख से अधिक वोट से हराया था। अखिलेश को छह लाख 21 हजार से ज्यादा वोट मिले थे। वहीं, निरहुआ तीन लाख 61 हजार से ज्यादा वोट पाने में सफल रहे थे। आजमगढ़ सीट से भारतीय जनता पार्टी ने फिर से भोजपुरी स्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश ने अपने चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव को मैदान में उतारा है। बसपा से शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली उम्मीदवार हैं। वहीं रामपुर से भाजपा ने घनश्याम लोधी को टिकट दिया है।

आजमगढ़ में सभी सीटें जीती थी सपा

आजमगढ़ लोक सभा क्षेत्र में 5 सीटें आती हैं। इनमें गोपालपुर, सगड़ी, मुबारकपुर, आजमगढ़ और मेहनगर शामिल हैं। 2022 के विधान सभा चुनाव में सभी सीटों पर सपा उम्मीदवारों को जीत मिली थी। पांचों विधान सभा सीटों पर सपा को करीब 4.36 लाख वोट मिले थे। वहीं भाजपा उम्मीदवारों को करीब 3.30 लाख वोट मिले थे यानी, सपा को भाजपा के मुकाबले एक लाख से भी ज्यादा वोट मिले। हालांकि, 2019 के लोक सभा चुनाव के मुकाबले सपा और भाजपा दोनों के वोट में कमी आई। सपा को करीब 2 लाख वोट कम मिले। वहीं भाजपा को करीब 30 हजार वोट का नुकसान हुआ।

रामपुर का जातीय समीकरण

रामपुर, स्वार और चमरौआ सीट मुस्लिम बहुल सीटें हैं। तीनों सीट पर मुस्लिम मतदाता 50 फीसदी से ज्यादा हैं। रामपुर सीट पर 63 फीसदी, स्वार सीट पर 55 फीसदी और चमरौआ सीट पर 53 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। बिलासपुर सीट पर भी 30 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं।

आजमगढ़ में जातीय समीकरण

बात अगर जातीय समीकरण की करें तो आजमगढ़ में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या लगभग 24 फीसदी है। इसके अलावा 26 फीसदी यादव और 20 प्रतिशत दलित वोटर हैं। 2017 के विधान सभा चुनाव में जब भारतीय जनता पार्टी की लहर थी तब यहां भाजपा को सिर्फ एक सीट मिली थी। पांच सीटों पर सपा ने कब्जा जमाया था जबकि बहुजन समाज पार्टी के खाते में चार सीटें गई थीं।

रामपुर में विधान सभा चुनाव में 5 सीट में 3 सपा के खाते में आईं

रामपुर लोकसभा में भी पांच विधानसभा सीटें आती हैं। अब आपको विधानसभा चुनाव के नतीजे बताते हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में इन 5 में से 3 सीटें सपा के खाते में जबकि 2 सीटें भाजपा को मिली थीं। रामपुर विधान सभा सीट से आजम खां, स्वार से उनके बेटे अब्दुल्ला आजम, चमरौआ विधान सभा सीट से और नसीर अहमद खान सपा के टिकट पर जीते थे। वहीं बिलासपुर सीट से बलदेव औलख और मिलक सीट से राजबाला सिंह भाजपा के टिकट पर जीतीं थीं। 5 सीटों पर भाजपा को कुल 4 लाख सात हजार से ज्यादा वोट मिले। वहीं, सपा को 5 लाख 52 हजार से ज्यादा वोट मिले। यानी, सपा को भाजपा के मुकाबले करीब एक लाख 44 हजार से ज्यादा वोट मिले थे। लोक सभा के मुकाबले दोनों के कुल वोट में कमी आई थी। सपा को जहां लोक सभा के मुकाबले करीब सात हजार वोट कम मिले। वहीं भाजपा को करीब 41 हजार वोट का नुकसान हुआ।

तो एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के लिए जीत का कॉरिडोर बनाएगा यूपी!

» कुल मत मूल्य में करीब 15 प्रतिशत की है हिस्सेदारी

» विपक्ष के एकजुट होने के बाद भी भाजपा बना सकती बड़ी बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने राष्ट्रपति पद के लिए द्रौपदी मुर्मू को चुनाव मैदान में उतारा है। देश की राजनीतिक तस्वीर का स्वरूप तय करने वाला उत्तर प्रदेश अब राष्ट्रपति चुनाव में बड़ी भूमिका निभाता दिखेगा क्योंकि देशभर के मतदाता जनप्रतिनिधियों के कुल मत मूल्य 10,86,431 का 14.86 प्रतिशत हिस्सा अकेले यूपी के पास है। इसमें यदि बसपा अपनी धुर विरोधी सपा और कांग्रेस के साथ हाथ मिला ले तो भी भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) प्रत्याशी के लिए 1,19,084 मत मूल्य की बड़ी बढ़त के साथ ग्रीन कारिडोर बनाने में भाजपा गठबंधन सक्षम है।

सबसे बड़ा राज्य होने के नाते उत्तर प्रदेश अपना सीधा असर राष्ट्रपति चुनाव पर छोड़ेगा। सभी राज्यों से चयनित लोक सभा और राज्य सभा सदस्यों के वोट का मूल्य बराबर है जो कि 700 है। विधायकों के वोट का मूल्य आबादी की गणना के अनुसार तय होता है। करीब 25 करोड़ आबादी वाले इस प्रदेश के विधायकों का मूल्य सर्वाधिक 208 है। यहां 80 लोक सभा, 31 राज्य सभा सदस्य और 403 विधायक हैं। इस तरह लोक सभा सदस्यों का कुल मूल्य 56,000 होता है लेकिन रामपुर और आजमगढ़ लोक सभा सीट पर उपचुनाव हो रहा है इसलिए अभी 78 सीटों की ही गणना है, जिनका कुल मूल्य 54,600 है। सर्वाधिक 62 सांसद भाजपा के हैं और दो सहयोगी अपना दल (एस) के हैं। इनका मत मूल्य 44,800 हो जाता है जबकि विपक्षी में शामिल होने वाले सपा मुखिया अखिलेश यादव के पास तीन सांसदों का कुल मत मूल्य मात्र 2100 ही है। कांग्रेस के पास एक सीट है, जिसका मूल्य 700 है। दूसरे स्थान पर बसपा है, जिसके दस सांसदों के वोट का मूल्य 7000 है। इसी तरह राज्य सभा की 31 सीटों का कुल 21,700 है, जिसमें 25 सीटों के साथ भाजपा काफी आगे है। उसके 25 सांसद 17500 मूल्य जुटा लेंगे जबकि सपा के पास 3500 (पांच राज्य सभा सदस्य), बसपा के एक सदस्य का 700 और कांग्रेस का शून्य है। इसी तरह विधायकों के वोटों की संख्या भी सबसे अधिक भाजपा गठबंधन के पास है। 403 विधायकों के वोट का मूल्य 83,824 होता है। इसमें से 273 वोट के साथ 56,784 का मूल्य भाजपा गठबंधन के पास है। 125 विधायकों वाले सपा गठबंधन के पास कुल मूल्य 26,000 है। कांग्रेस और जनसत्ता दल के दो-दो विधायक हैं। यह 416-416 का मूल्य हैं जबकि बसपा के एक विधायक के वोट का 208 मूल्य है।

विपक्ष की ओर से यशवंत सिन्हा देंगे टक्कर

राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार के तौर पर पूर्व टीएमसी नेता यशवंत सिन्हा के नाम पर मुहर लग गई है। एनसीपी नेता शरद पवार कि अध्यक्षता में विपक्षी दलों की मीटिंग में यह फैसला लिया गया। बैठक में यशवंत सिन्हा भी मौजूद थे। इससे पहले विपक्ष ने जिन तीन नामों को आगे किया था उन्होंने उम्मीदवार बनने से इनकार कर दिया था। इनमें शरद पावर, फारूक अब्दुल्ला और गोपालकृष्ण गांधी का नाम शामिल था। यशवंत सिन्हा ने पहले ही पार्टी से इस्तीफे की पेशकश की थी। उन्होंने कहा था कि समय आ गया है कि अब वह एक बड़े राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए पार्टी से हटकर विपक्षी एकता के लिए काम करें। अब यशवंत सिन्हा का मुकाबला एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू से होगा।

वोट मूल्य का गणित

इस सीधे-सीधे गणित को भी देखें तो भाजपा गठबंधन राजग प्रत्याशी को उत्तर प्रदेश से 1,19,084 मत मूल्य की बढ़त देगा। सपा और कांग्रेस मिलकर भी 32,716 ही होता है। यहां बसपा पर सभी की नजर जरूर होगी क्योंकि माना जा रहा है कि वह शायद सपा और कांग्रेस के साथ विपक्षी गोल में शामिल न हो। हो सकता है कि वह भी राजग प्रत्याशी को समर्थन कर दे। तब 7,908 मत मूल्य का बोनस राजग प्रत्याशी को मिल सकता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बेलगाम साइबर क्राइम और पुलिस

उत्तर प्रदेश में साइबर क्राइम का ग्राफ तेजी से बढ़ता जा रहा है। साइबर अपराधी न केवल लोगों के खातों से रुपये उड़ा रहे हैं बल्कि ब्लैकमेल भी कर रहे हैं। ये साइबर अपराधी रोज नए-नए तरीकों से लोगों को ठग रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि अधिकांश मौकों पर साइबर अपराधी पुलिस की पकड़ से बच जाते हैं। पुलिस भी साइबर क्राइम पर लगाम लगाने में नाकाम हो रही है। सवाल यह है कि साइबर क्राइम पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? क्या हाईटेक पुलिसिंग के बिना साइबर अपराधियों की धर-पकड़ संभव है? क्या जागरूकता के अभाव के कारण लोग ऐसे अपराधियों के चंगुल में फंस रहे हैं? प्रदेश में स्थापित साइबर सेल क्या कर रहे हैं? क्या साइबर क्राइम पर नियंत्रण के लिए सरकार को नयी रणनीति बनाने की जरूरत महसूस नहीं हो रही है?

इंटरनेट के साथ ही एक नए तरह का अपराध भी दुनिया में तेजी से फैल रहा है। इसके जरिए अपराधी दुनिया के किसी कोने से लोगों को अपना शिकार बनाते हैं। इसकी पहुंच हर घर तक हो चुकी है और जागरूकता के अभाव के कारण लोग इन ठगों के आसानी से शिकार हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भी साइबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। आए दिन लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं और उनकी गाढ़ी कमाई लूट ली जाती है। पुलिस भी इन अपराधियों तक आसानी से नहीं पहुंच पाती है क्योंकि पीड़ित को अपराधी के हुलिया का पता तक नहीं होता है। यही नहीं उसे यह भी पता नहीं होता है कि जिस अपराधी ने उसको ठगा है वह किस देश या प्रदेश का है। साइबर अपराधी कई तरह से अपराधों को अंजाम देते हैं। इसमें स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय अपराधी शामिल हैं। पहले अपराधी स्थानीय स्तर पर सक्रिय रहते हैं। वे एटीएम का क्लोन बनाकर या पैसे का लालच देकर लोगों के खातों से पैसा उड़ाते हैं तो दूसरे तरह के अपराधी एप के जरिए लोगों को लालच देते हैं फिर उनको ब्लैकमेल कर पैसा ऐंठते हैं। वे खातों को हैक कर भी पैसा उड़ा लेते हैं। वहीं जब तक पुलिस इनका पता लगाती है तब तक ये उसकी पहुंच से दूर पहुंच चुके होते हैं। हालांकि कई मामलों में पुलिस ने साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है लेकिन इसका असर साइबर अपराधियों पर पड़ता नहीं दिख रहा है और वे लगातार वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। कई अंतरराष्ट्रीय गिरोह सक्रिय हैं और वे लोगों को निशाना बना रहे हैं। जाहिर है साइबर अपराध पर नियंत्रण लगाने के लिए सरकार को न केवल नयी रणनीति बनानी होगी बल्कि हाईटेक पुलिसिंग की भी व्यवस्था करनी होगी ताकि वह हाईटेक अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचा सके। इसके अलावा आमजन को जागरूक भी करना होगा।

सवाल यह है कि साइबर क्राइम पर लगाम क्यों नहीं लग पा रही है? क्या हाईटेक पुलिसिंग के बिना साइबर अपराधियों की धर-पकड़ संभव है? क्या जागरूकता के अभाव के कारण लोग ऐसे अपराधियों के चंगुल में फंस रहे हैं? प्रदेश में स्थापित साइबर सेल क्या कर रहे हैं? क्या साइबर क्राइम पर नियंत्रण के लिए सरकार को नयी रणनीति बनाने की जरूरत महसूस नहीं हो रही है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कानूनी प्रक्रिया से हो दंडात्मक कार्रवाई

राजेश रामचंद्रन

बुलडोजर अब प्रतीक बन गया है दमन के पर्याय जैसे अलोकतांत्रिक व्यवहार का। लगता है उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार ने इस मशीन को अपना राजकीय चिन्ह और सरकारी मुहर बनाने की ठान ली है। जब यह दैत्य गली-मोहल्ले में प्रदर्शनकारियों के घर और चूल्हे गिराने के लिए दनदनाता है तो एक नई किस्म का फौरी और बिना संस्थागत मुकदमा-सुनवाई वाला दुराग्रह से प्रेरित दंड नजर आता है। हमारा संविधान सरकारों को सख्ती बरतने का एकाधिकार देता है लेकिन केवल तभी जब यह नागरिकों के जान-माल बचाने की खातिर हो और इसकी भी एक बाकायदा कानून सम्मत प्रक्रिया है।

यूपी सरकार की प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध इस कार्रवाई के विरुद्ध जमीयत उलेमा-ए-हिंद द्वारा दायर याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा-'कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बगैर निर्माण ढहाने की कोई कार्रवाई नहीं होगी।' सर्वोच्च न्यायालय के आदेश ने जिस बृहद तात्विक प्रश्न को छेड़ दिया है, वह यह है कि जो सरकार खुद कानून की प्रक्रिया को ताक पर रखे उसके प्रति समाज की प्रतिक्रिया कैसी हो। यथा, जब-जब विरोध प्रदर्शन की तीव्रता बढ़े तो क्या उसी अनुपात में प्रतिक्रमात्मक उपाय भी बढ़ेंगे और इससे हिंसा का न थमने वाला चक्र शुरू हो जाएगा। आखिरकार, देशभर में सबसे खराब अमल भवन निर्माण नियम संहिता पर होता आया है। हमारे समाज के भ्रष्टाचार का सबसे बढ़िया और प्रत्यक्ष नमूना स्थानीय निकाय विभागों द्वारा भवन निर्माण संहिता का अक्षरश: पालन न करवाने में दिखता है। यह नागरिकों द्वारा नियमों का पालन करने की मंशा से ज्यादा घटिया प्रशासनिक निजाम का अक्स है। कहीं भी किसी भी भवन में की गई निर्माण नियमों की उल्लंघना रिश्वत देकर और अगर बड़े पैमाने पर की गई हो तो वोट-बैंक की सौदेबाजी से नियमित कर दी जाती है। तब फिर क्यों नहीं बुलडोजर भारत के सबसे आलीशान किंतु अवैध कालोनियों जैसे कि दिल्ली के पॉश फार्म इलाके पर जा चढ़ता। जाहिर है, यहां मसला नियम उल्लंघन का नहीं बल्कि उल्लघंनकर्ता कौन है, इसका है। यह तथ्य है कि उत्तर प्रदेश में हुए विरोध प्रदर्शनों में अधिकांश को संप्रदाय विशेष के उन कट्टरपंथी तत्वों ने हवा देकर भड़काया है।

पैगम्बर पर आपत्तिजनक टिप्पणी से जो हिंसा बनी वह भी तब जब खाड़ी के मुल्कों द्वारा इसे विषय बनाया गया। हालांकि यह अराजकता उस धर्म विशेष के चरमपंथी और सांप्रदायिक तत्वों

द्वारा भी भड़काई जा सकती थी। ऐसे तत्वों की शिनाख्त होने के बाद उन पर सख्त से सख्त कानूनों के तहत मामला चले और जेल में रखा जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे और नफरत और वैमनस्य न फैलाने पाएं लेकिन पुलिस की सुस्ती का तोड़ बुलडोजर नहीं हो सकता। केवल फौरी शक या अनुमान के आधार पर किसी को समस्या पैदा करने वाला मान लेना एक कानून-सम्मत समाज के लिए अच्छा नहीं है। हिंसा भड़काने वालों के मामलों में सरकारी वकीलों को ठोस सबूत पेश करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी ताकि आरोपी प्रमाणों के अभाव में छूटने न पाए और ऐसा होता है तो हो जाने देने वाला रवैया न अपनाएं। तब यह प्रक्रिया सरकार की नीयत और कार्रवाई को वैधता देती है। लेकिन प्रक्रिया का पालन न करना एक चुनी हुई सरकार और इसकी तमाम कार्रवाई को गैर-उचित बना देता है, खासकर जब यही बुलडोज़र समान संदर्भों में बहुसंख्यकों के गली-मोहल्लों का रुख न करें। विवादित टिप्पणी जिसने हिंसा को जन्म दिया और प्रतिक्रमवश बुलडोज़र चले, इसकी परिणति में भाजपा को अपने ही प्रवक्ता और कार्यालय पदाधिकारी को हटाना पड़ा। इस हिंसा प्रसंग के तीन सप्ताह बाद अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्रिंस का उक्त टिप्पणी के आलोक में निंदा करना दर्शाता है कि अमेरिका इस मुद्दे का इस्तेमाल भारत के प्रति गुस्सा दिखाने में कर रहा है। इससे पूर्व कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने दावा किया था कि खाड़ी देशों में अमेरिका के सहयोगी मुल्कों का यह रवैया भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा अमेरिकी सरकार की भारतीय अल्पसंख्यकों पर आई रिपोर्ट को खारिज करने की प्रतिक्रियावश था। सत्ताधारी दल के प्रवक्ता की विवादित टिप्पणी और सरकारी बुलडोजर के बीच एक अजीब समानता यह है कि दोनों ही धौंस दिखाऊ, लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों का मखौल उड़ाने और अवहेलना करने वाले हैं।

बेशक इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि दूसरे हमारे बारे में क्या सोचेंगे लेकिन यह बहुत अहम है कि हम अपने बारे में क्या सोचते हैं। बुलडोजर चलाकर किसी का घर गिरा देने वाली धौंस और विष वमन करने वाली जो छवि हमने अपनी गढ़ ली है, क्या वह मंजूर करने लायक है?

5जी से बढ़ेगी भारत की रफ्तार

बालेंदु शर्मा दाधीच

भारत में पांचवीं पीढ़ी (5जी) की प्रतीक्षित दूरसंचार तकनीक को मुहैया कराने की शुरुआत इसी साल हो जायेगी। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि इस साल के अंत तक बीस-पच्चीस शहरों में 5जी नेटवर्क काम करने लगेंगे। चूंकि आधा साल बीत चुका है इसलिए इतने शहरों में बहुत जल्दी 5जी नेटवर्क की प्रणाली लाने की चुनौती आसान नहीं होगी और कहा जा सकता है कि सरकार की यह घोषणा काफी हद तक महत्वाकांक्षी है लेकिन अगर हम ऐसा कर पाते हैं, तो यह निश्चित रूप से भारत के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। यूं देर-सबेर 5जी तकनीक को आना ही है लेकिन उसका जल्दी आना न सिर्फ हमारे लिए कारोबारी, तकनीकी तथा सरकारी स्तर पर लाभप्रद होगा, बल्कि इससे दूरसंचार के क्षेत्र में देश की छवि को भी और मजबूती मिलेगी।

पहले ही भारत वैश्विक दूरसंचार मानचित्र पर खास जगह रखता है, कम-से-कम डेटा कनेक्टिविटी की कम लागत और डेटा की औसत खपत के मामले में तो यह स्थिति है ही। देश में इंटरनेट कनेक्टिविटी का दायरा भी लगातार व्यापक होता जा रहा है। जहां तक 5जी सेवाएं शुरू करने का सवाल है, छह महीने का घोषित लक्ष्य चुनौतीपूर्ण रहेगा। इसके लिए पहले से मौजूद इंटरनेट कनेक्टिविटी और संचार के बुनियादी ढांचे पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है बल्कि और अतिरिक्त ढांचा तैयार करने की जरूरत पड़ेगी। 5जी के लिए 4जी से एकदम अलग दूरसंचार वेवलेंथ (मिलीमीटर वेवलेंथ) का इस्तेमाल होता है। इसका मतलब यह हुआ कि 5जी तकनीक 4जी की तुलना में बहुत ज्यादा डेटा का परिवहन करने में सक्षम है। इसे इस उदाहरण से समझा जा सकता है कि 4जी नेटवर्क पर जिस फिल्म को डाउनलोड करने में पांच मिनट का समय लगता है, वही फिल्म 5जी नेटवर्क पर आधे मिनट में ही डाउनलोड हो जायेगी लेकिन जहां तक दूरी का सवाल है, इसके संकेतों की रेंज बहुत कम है। जहां 4जी के संकेत 30 किलोमीटर दूर तक आसानी से पहुंच जाते हैं, वहीं 5जी के संकेत कुछ सौ मीटर तक ही पहुंच पाते हैं।

दूसरे, रास्ते में आने वाली इमारतों तथा दूसरी रुकावटों को पार करने के मामले में 4जी के संकेत 5जी की तुलना में 30 गुना ज्यादा ताकतवर हैं। तकनीकी लिहाज से देखा जाए तो स्पष्ट है कि अगर हम 5जी का पूरा लाभ लेना चाहते हैं तो दूरसंचार कंपनियों को इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करना होगा और इसके लिए काफी निवेश की भी जरूरत होगी। सीधे शब्दों में कहें, तो कई गुना अधिक टावर बनाने होंगे और ये टावर सिर्फ खुले इलाकों में ही नहीं, बल्कि शहरी इलाकों में भी बनाने होंगे। अब प्रश्न यह उठता है कि क्या यह ढांचा अगले छह महीनों में बनाया जा सकेगा। सरकार को भी इस चुनौती का अहसास है इसीलिए वह फिलहाल 20-25 शहरों में इसे मुहैया कराने की बात कर रही है। राष्ट्रीय स्तर पर 5जी की उपलब्धता में कई महीने या साल लग सकते हैं। 5जी को लाने की प्रक्रिया में पहला जरूरी काम शोध और अनुसंधान का है, जिस पर देश में काफी काम हो चुका है। तकनीक बाहर से भी ली जा सकती है। दूसरा उन दूरसंचार प्रदाताओं की पहचान करना, जो यह सेवा मुहैया करायेंगे। इसके लिए 5जी के मौजूदा स्पेक्ट्रम की नीलामी की जायेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 20 साल की अवधि के लिए 72 गीगाहर्ट्ज के एयरवेव (ध्वनि तरंगों) की नीलामी के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। सरकारी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद 26 जुलाई के बाद नीलामी की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है और केंद्र सरकार ने इच्छुक दूरसंचार कंपनियों से प्रस्ताव भी मांग लिये हैं। रिलायंस, एयरटेल, वोडाफोन आदि बड़े दूरसंचार प्रदाता नीलामी की दौड़ में शामिल होंगे। रिलायंस के प्रमुख मुकेश अंबानी 5जी की शुरुआत के लिए काफी उत्साहित हैं और उन्होंने कहा है कि रिलायंस जियो अपने मौजूदा नेटवर्क को 5जी में अपग्रेड करने में सक्षम है। मौजूदा प्रतिद्वंद्विता के दौर में दूसरे दूरसंचार प्रदाता भी पीछे नहीं रह सकते। एयरटेल ने 2017 में मैसिव मल्टीपल इनपुट मल्टीपल आउटपुट (मीमो) प्रणाली पर अमल की घोषणा की थी, जो 5जी नेटवर्कों की स्थापना में अहम भूमिका निभाती है। उसने बेंगलुरु, कोलकाता और कुछ अन्य स्थानों पर पहले ही इस प्रणाली को तैनात कर दिया है। वोडाफोन ने भी मीमो और डायनेमिक स्पेक्ट्रम रिफ्रेमिंग नामक तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए अपने नेटवर्क को अपग्रेड करने का सफल प्रयोग किया है। भारत संचार निगम लिमिटेड ने भी 2019 में दिल्ली में 5जी गलियारा स्थापित करने का ऐलान किया था। इस तकनीक के आने से भारत में इंटरनेट की रफ्तार में क्रांतिकारी बदलाव आयेगा। फिलहाल मोबाइल स्पीड के मामले में भारत दुनिया में 125वें पायदान पर है। हालांकि दूसरी तरफ प्रति व्यक्ति औसत डेटा खपत के मामले में भारत 18 गीगाबाइट डेटा के साथ बहुत आगे है जबकि दुनिया का औसत डेटा खपत 11 गीगाबाइट है। 5जी के आने से भारत में डेटा की रफ्तार कई गुना बढ़ जायेगी और उसके साथ ही कामकाज के बहुत सारे क्षेत्रों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। खास तौर पर उद्योग जगत, स्वास्थ्य सेवाओं, संचार, सरकारी सेवाओं, मनोरंजन, खेती, रक्षा क्षेत्र आदि पर इसका सकारात्मक असर पड़ेगा। स्मार्ट शहरों के विकास तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी नयी तकनीकों के प्रसार को इससे काफी गति मिल सकती है, जो घरों, दफ्तरों, प्रयोगशालाओं और सड़कों आदि में इंटेलिजेंट उपकरणों, इंटेलिजेंट वाहनों आदि के इस्तेमाल का रास्ता साफ करेगा।

मानसून में इन्हें फॉलो करने से बीमारियां रहेंगी दूर

मानसून का मौसम यूं तो काफी अच्छा लगता है। भीषण गर्मी के बाद बारिश की बूंदे मौसम को काफी ठंडा कर देती हैं, जिससे काफी राहत का अहसास होता है। हालांकि इस मौसम में आर्द्रता का स्तर बढ़ जाता है। जिसके कारण सेहत व स्किन दोनों को ही नुकसान हो सकता है। इतना ही नहीं, बड़ी हुई नमी का स्तर पाचक अग्नि को कमजोर कर देता है, जिससे शरीर में टॉक्सिन जमा होने लग जाते हैं। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि हर व्यक्ति अपनी सेहत पर अतिरिक्त ध्यान दें और इन सभी विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के लिए कुछ अतिरिक्त उपाय अपनाए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आयुर्वेदिक उपायों के बारे में बता रहे हैं, जो मानसून में आपका ख्याल रखने में मदद करेंगे।

नहाते समय अपनाएं यह आयुर्वेदिक उपाय

- चूंकि यह वात वृद्धि का मौसम है, इसलिए नहाने या गर्म स्नान करने से आधे घंटे पहले ठंडे तिल या नारियल के तेल से मालिश करना काफी फायदेमंद हो सकता है।
- इस मौसम में पैरों की अतिरिक्त केयर करना जरूरी होता है। इसके लिए, आप कुछ ताजे नीम के पत्ते या त्रिफला चूर्ण को पानी में उबाल सकते हैं। पानी को ठंडा होने दें और फिर इस शुद्ध पानी से अपने पैर धो लें। यह हर हफ्ते एक बार किया जा सकता है।
- मानसून के मौसम में शरीर को डिटॉक्स करना महत्वपूर्ण होता है, इसलिए अपने बाथिंग रूटीन में नीम, चंदन, चमेली, एलोवेरा, हल्दी, और गुलाब जैसे एसेंशियल ऑयल को हर्बल पाउडर, शॉवर वॉश व साबुन के रूप में शामिल किया जा सकता है।

ओवर ऑल हेल्थ का ख्याल रखने के नुस्खे

- मानसून में अच्छे स्वास्थ्य के लिए सेंधा नमक के साथ हरीतकी (टर्मिनलिया चेबुला) का सेवन बेहद फायदेमंद होता है। हरीतकी का चूर्ण 2-3 ग्राम में एक चुटकी सेंधा नमक के साथ दोपहर के भोजन के बाद खा सकते हैं।
- मानसून के मौसम में शहद का सेवन अवश्य करना चाहिए। शरीर में जमा हुए विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के लिए आप सुबह एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच शहद और नींबू का रस मिलाकर इसका सेवन कर सकते हैं।
- इस मौसम में व्यक्ति बार-बार बीमार पड़ता है। ऐसे में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए हर्बल काढ़े का सेवन करना अच्छा विचार हो सकता है। आप 5-6 तुलसी के पत्ते, 2 काली मिर्च, 1 लौंग, दालचीनी की एक स्टिक और थोड़ी अदरक को पानी में उबाल लें। काढ़े को तब तक उबलने दें जब तक कि यह आधा न हो जाए और इसे गर्मागर्म घूंट-घूंट करके पीएं।
- कच्ची हल्दी के एक छोटे टुकड़े को कद्दूकस कर लें और उस पर नींबू के रस की कुछ बूंदें निचोड़ लें। आप दो-तीन सप्ताह तक प्रतिदिन दिन में एक बार इसका सेवन करें।

खानपान का रखें ख्याल

- आयुर्वेद के अनुसार, इस मौसम में आहार में कसैले, हल्के कड़वे और तीखे खाद्य पदार्थों को शामिल करें। साथ ही साथ, आपको अत्यधिक नमकीन खाद्य पदार्थों से बचने की सलाह दी जाती है क्योंकि ये शरीर में वाटर रिटेंशन के लिए जिम्मेदार होते हैं जिससे सूजन हो सकती है। इसमें इमली और टमाटर जैसे प्राकृतिक रूप से खट्टे खाद्य पदार्थों से परहेज करना शामिल है।
- शरीर में दोषों की स्थिति को बैलेंस करने और शरीर को डिटॉक्सीफाई करने के लिए करेला, और नीम, हल्दी और मेथी सहित कड़वी जड़ी बूटियों सहित कड़वी सब्जियां खा सकते हैं।
- विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने के लिए ढेर सारे तरल पदार्थ पीएं। साथ ही केवल ताजा, अच्छी तरह पका हुआ खाना ही खाएं।
- हर्बल चाय, विशेष रूप से अदरक, काली मिर्च, शहद, पुदीना और तुलसी के पत्तों से तैयार जीवाणुरोधी गुणों वाली चाय का सेवन करना लाभदायक हो सकता है। साथ ही, कॉफी और चाय के अत्यधिक सेवन से शरीर के तरल पदार्थ निर्जलित हो जाते हैं, इसलिए इनसे बचना चाहिए।
- उपवास या व्रत करना शरीर को

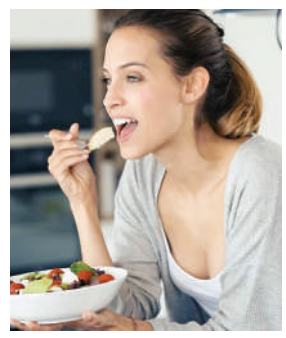

डिटॉक्स करने का एक आयुर्वेदिक तरीका है। इसलिए, मानसून के मौसम में सप्ताह में कम से कम एक बार व्रत अवश्य करें।
- इस तरीके से बनाएंगे चावल, तो मधुमेह रोगियों को भी नहीं होगा नुकसानइस तरीके से बनाएंगे चावल, तो मधुमेह रोगियों को भी नहीं होगा नुकसान।

हंसना मना है

फादर: अगर इस बार तुम इम्तिहान मे फेल हुए तो, मुझे पापा मत कहना। इम्तिहान के बाद,
फादर: How is Your Result? सन: दिमाग का दही मत कर बाबूलाल तू बाप कहलाने का हक खो चुका है। दे पिटाई दे पिटाई।

एक सरकारी दफ्तर के बोर्ड पार लिखा था, कृपया शोर ना करे.. किसी ने उसके नीचे लिख दिया, वरना हम जाग जायेंगे....

डॉक्टर ने आदमी से पुछा, क्या आप का और आपकी बीवी का खून एक ही है? आदमी ने कहा, क्यों नही? ज़रूर होगा! पचास साल से मेरा ही खून जो पी रही है।

पति : अल्लाह ने तुम्हें 2 आँखे दी हैं, चावल से पत्थर नही निकाल सकती? पत्नी: अल्लाह ने तुम्हे 32 दांत दिए है, 2-4 पत्थर नही चबा सकते?

अर्ज है कि रोज रोज वजन नापकर क्या करना है, एक दिन तो सबने मरना है, चार दिन की है जिंदगी, खा लो जी भर के, अगला जन्म फिर 3 किलो से शुरू करना है !

थप्पड़ मारने पर नाराज वाईफ से हसबैंड बोला: आदमी उसी को मारता है, जिससे वो प्यार करता है: वाईफ ने हसबंड को 2 थप्पड़ मारे और बोली आप क्या समझते है मैं आपसे प्यार नहीं करती हूं।

कहानी — विनीलक

एक बार एक स्वर्णिम राज-हंस मिथिला में रुका, जहां उसने एक कौवी के साथ सहवास किया, जिससे काले मेघ के समान एक कौवा पैदा हुआ जिसका नाम उसके वर्ण और छवि के अनुकूल विनीलक रखा गया। कुछ ही दिनों में हंस और कौवी अलग-अलग हो गये और हंस फिर से हिमालय के निकटवर्ती एक सरोवर में वास करने लगा। वहां उसने एक सुंदर हंसी के साथ विवाह कर एक नया घर-संसार बसाया। हंसी ने दो सुन्दर सफेद हंसों को जन्म दिया। हंस-पुत्र जब बड़े हो गये और उन्हें विनीलक के अस्तित्व का ज्ञान हुआ तो पिता की आज्ञा ले, वे विनीलक से मिलने मिथिला जा पहुँचे। गंदे कूड़े के ढेर पर रहते विनीलक को उन्होंने अपने साथ पिता के पास हिमालय चलने का निमंत्रण दिया। विनीलक ने उनका निमंत्रण सहर्ष स्वीकार कर लिया। तब दोनों ही हंसों ने एक लकड़ी के दोनों छोरों से पकड़ विनीलक को उस पर सवार होने का आग्रह किया। जब विनीलक ने वैसा किया तो उन्होंने हिमालय की तरफ उड़ना आरम्भ कर दिया। मार्ग में उन्हें मिथिला के राजा विदेह की सवारी दिखाई पड़ी जिसे चार सफेद घोड़े खींच रहे थे। राजा की सवारी देख विनीलक चिल्ला उठा देख! राजा की सवारी उसके सफेद घोड़े जमीन पर खींच रहे हैं किन्तु मेरी सवारी तो सफेद अनुचर आसमान पर! दोनों हंसों को कौवे की अपमान-जनक वाणी से क्रोध तो बहुत आया मगर पिता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए उन्होंने उसे नीचे नहीं गिराया और हिमालय में लाकर पिता के सामने रख दिया। फिर उन्होंने विनीलक के अपशब्दों से भी पिता को अवगत कराया। विनीलक के गुणों को सुन पिता ने अपने दोनों पुत्रों को फिर से विलीलक को मिथिला छोड़ आने को कहा क्योंकि वह हिमालय पर रहने योग्य नहीं था। तब हंसों ने उसे उठाकर फिर मिथिला पहुंचा आये जहाँ वह मलों के ढेर में अपना वास बना कांव-कांव करता हुआ रहने लगा।

7 अंतर खोजें

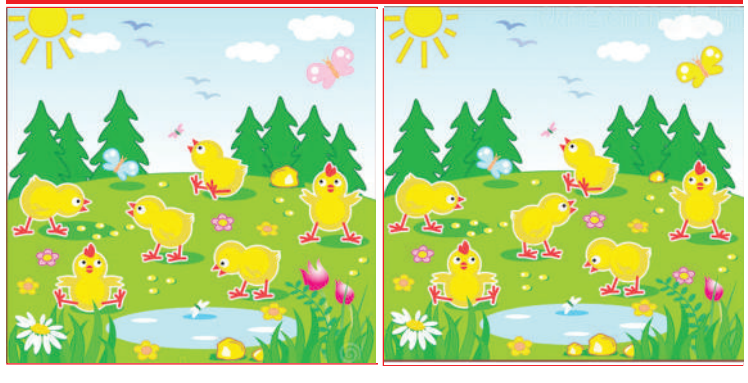

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — सट्टेबाजी में फायदा हो सकता है। आपका कोई करीबी आज अजीब मूड में होगा और उसे समझना लगभग असंभव साबित होगा। सफलता कदम चूमेगी।

वृषभ — आज का दिन नई सौगात लेकर आएगा। अच्छा स्वास्थ्य आपको कठिन काम को करने की क्षमता प्रदान करेगा। आज किया गया निवेश फायदेमंद रहेगा।

मिथुन — आपको कोई गलत जानकारी मिल सकती है, जिसके चलते आप मानसिक तनाव का शिकार हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में अतिरिक्त सावधानी बरतें।

कर्क — स्वयं को शांत बनाए रखें। क्योंकि आज आपको ऐसी कई बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, जिनके चलते आप काफी मुश्किल में पड़ सकते हैं।

सिंह — आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आपको अपनी परफॉरमेंस के लिये बॉस का समर्थन प्राप्त होगा। प्रति समर्पण देखा जायेगा, जिसके लिये आपको सम्मानित किया जायेगा।

कन्या — दिन सामान्य रहने वाला है। आज आपको कामकाज के बारे में गंभीरता से विचार करने की जरुरत है। दूसरों की सलाह पर ध्यान दें।

तुला — आज का दिन सामान्य रहने वाला है। पिछले कई दिनों से किसी बात को लेकर काफी परेशान है तो धैर्य रखे। अपनों की मदद से समाधान मिलना तय है।

वृश्चिक — किसी झगड़ालू इंसान से वाद-विवाद आपका मूड खराब कर सकता है। समझदारी से काम लें और अगर संभव हो तो इससे बचें। विवाद व झगड़े से दूर रहे।

धनु — बर्ताव दूसरों के प्रति अच्छा रखें। किसी भी योजना में रुपये लगाने के लिए तैयार रहें, जिसमें संभावना नजर आए और विशेष हो, उसी में रुपए लगाए।

मकर — वाहन चलाते वक्त सावधानी बरतें, खास तौर पर अगर आप रात के समय यात्रा कर रहें हों, तो अनुमान नुकसानदेह साबित हो सकता है इसलिए निवेश करने से बचें।

कुम्भ — दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज आपको कुछ नई चीजों को सीखने की जरूरत है क्योंकि जिस काम को नजरअंदाज करते आ रहे थे आज उसी से उम्मीद जगेगी।

मीन — दिन अच्छा रहने वाला है। ऑफिस में अधिकारियों के निकट रहेंगे साथ ही सहकर्मियों से किसी काम में सहयोग मिलेगा। व्यवसाय को लेकर भाग-दौड़ बनी रहेगी।

करण जौहर के शो में होगी सामंथा की एंट्री

साउथ फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस सामंथा प्रभु ने अपने अंदाज के कारण आज दुनियाभर में अपनी एक खास जगह बना ली है। हिंदी दर्शकों के बीच भी उन्हें खूब पसंद किया जाने लगा है। अपनी फिल्मों के दम पर सामंथा बेशक हर दिन कमाल कर रही हैं, लेकिन उनकी जिंदगी काफी विवादों से घिरी हुई है। एक्ट्रेस को अपनी पर्सनल लाइफ में बहुत से उतार-चढ़ाव देखने पड़े हैं। सामंथा के फैंस उनके बारे में बहुत सी बातें जानने के लिए बेताब हैं। खासतौर पर नागा चैतन्य से उनके तलाक की वजह आज भी लोगों के सामने नहीं आ पाई है। हालांकि, अब लगता है कि एक्ट्रेस फैंस के हर सवाल का जवाब देने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सामंथा को करण जौहर की होस्टिंग वाले शो कॉफी विद करण 7 में देखा जा सकता है। लंबे वक्त से फैंस को करण के इस सुपरहिट चैट शो का इंतजार है। कहा जा रहा है कि फिल्मकार अब अपने इस शो के 7वें सीजन के साथ फिर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। कॉफी विद करण 7 में कटरीना कैफ-विक्की कौशल और आलिया भट्ट, रणबीर कपूर जैसे सितारों को गेस्ट के तौर पर देखा जाएगा। वहीं, अब शो में सामंथा के भी शामिल होने की खबरें आ रही हैं। खबरों की माने तो सामंथा शो में नागा चैतन्य संग लिए तलाक की वजह से खुलकर बात करती दिखेंगी। करण जौहर के इस शो में सेलेब्स से उनकी निजी जिंदगी को लेकर ही कई सवाल किए जाते हैं, जिनका उन्हें जवाब देना ही पड़ता है। ऐसे में अब फैंस सामंथा को शो में देखने के लिए बेताब हो गए हैं। सामंथा बेबाक अभिनेत्री हैं।

'इंडियन पुलिस फोर्स' में एक्शन दिखाएंगी शिल्पा शेट्टी

शिल्पा शेट्टी अब सिल्वर स्क्रीन के बाद ओटीटी पर छा जाने के लिए तैयार है। वह डायरेक्टर रोहित शेट्टी की 'इंडियन पुलिस फोर्स' से अपनी डिजिटल जर्नी की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसी बीच शिल्पा ने 'इंडियन पुलिस फोर्स' को ज्वाइंन करने का असली कारण बताया है। उन्होंने खुलासा है कि उन्हें इस प्रोजेक्ट में काम करने के लिए किसने राजी किया और वह किन वजहों से रोहित शेट्टी के साथ करने कर रही हैं। बता दें कि 'इंडियन पुलिस फोर्स' एक ऐसी वेब सीरीज है, जिसके जरिए खुद रोहित शेट्टी ओटीटी की दुनिया में रखने जा रहे हैं। पुलिस फोर्स पर आधारित इस वेब शो में शिल्पा के अलावा सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ओबेरॉय भी हैं। शिल्पा की तरह सिद्धार्थ- विवेक भी अपना ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। इस शो इन सभी का शानदार एक्शन देखने को मिलने वाला है। इस वेब सीरीज में शिल्पा शेट्टी कॉप का रोल निभाते हुए दिखाई देंगी। शिल्पा शेट्टी ने 'प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया' के साथ बातचीत में खुलासा करते हुए बताया कि उनका बेटा वियान डायरेक्टर रोहित शेट्टी का बड़ा फैन है। इसलिए जब उनके बेटे को पता चला कि उनकी मां (शिल्पा) को रोहित शेट्टी की फिल्म में अभिनय करने का प्रस्ताव दिया मिला है तो वह वह खुशी से उछलने लगा। इसके बाद उनके बेटे ने उनसे इस फिल्म को करने लिए कहा। शिल्पा ने बताया कि उन्होंने रोहित शेट्टी के इस प्रोजेक्ट को सिर्फ अपने बेटे वियान कुंद्रा की वजह से साइन किया है। वे बेटे की हर बात सुनती है।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

मैं सिंगल हूं तो उसके पीछे की वजह सिर्फ और सिर्फ अजय देवगन हैं : तब्बू

तब्बू और अजय देवगन को हमेशा से ही 90 के दशक की ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक माना जाता है। दोनों ने एक साथ कई ब्लॉकबस्टर में एक्टिंग की है। दोनों बहुत अच्छे दोस्त भी हैं। अजय देवगन के साथ, तब्बू ने विजयपथ (1994), हकीकत (1995), दृक्षक (1999), दृश्यम (2015), गोलमाल अगेन (2017) और दे दे प्यार दे (2019) जैसी फिल्मों में अभिनय किया है। तब्बू और अजय देवगन की जोड़ी एक बार फिर से स्क्रीन पर गदर मचाने के लिए तैयार है। दोनों सितारे अब दृश्यम 2 और भोला में भी स्क्रीन स्पेस साझा करेंगे, जो एक एक्शन-ड्रामा है और तमिल फिल्म कैथी की रीमेक है। तब्बू ने हाल ही में अजय देवगन को लेकर जो खुलासा किया है, वो चौंकाने वाला है। मुंबई मिरर को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया कि एक्टर उनकी जासूसी किया करते थे। इतना ही नहीं वो उन लड़कों को भी धमकाते थे, जो उनके आसपास भटकते या बात करते थे। एक्ट्रेस ने बताया कि अजय उनके भाई समीर के पड़ोसी थे। जब तब्बू काफी छोटी थीं। समीर और अजय मिलकर उनकी जासूसी किया करते थे और जो लड़का उनके आस-पास भटकता या उनसे बात किया करता था, दोनों उसे धमकाया करते थे। तब्बू ने आगे कहा कि मैं आज सिंगल हूं तो उसके पीछे की वजह सिर्फ और सिर्फ अजय देवगन ही हैं, क्योंकि अजय उनके भाई के साथ मिलकर उन पर नजर रखते थे। यही कारण है कि उनके जीवन में कोई लड़का नहीं है। तब्बू ने कहा कि अजय के कारण मैं सिंगल हूं और मैं उम्मीद करती हूं, उन्हें अपने किए पर पछतावा हो। शादी को लेकर तब्बू ने कहा कि अगर कोई है जिस पर मैं भरोसा कर सकती हूं, तो वो अजय हैं।

टूथपेस्ट में क्यों होती है नीले लाल रंग की धारियां?

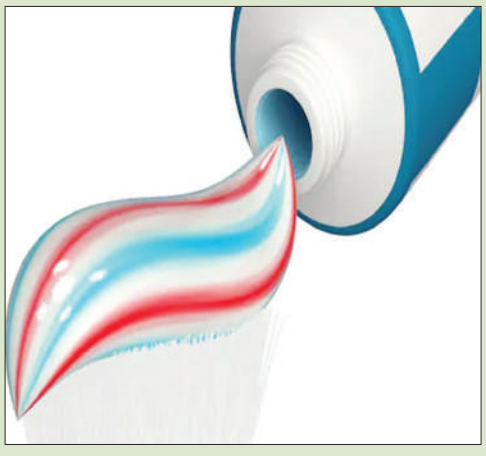

आज के जमाने में दिन की शुरुआत ब्रश करने के साथ ही होती है। पहले के समय में लोग दातुन से अपने दांत चमका लेते थे लेकिन अब मार्केट में कई तरह के टूथपेस्ट आ गए हैं। इसमें कई तरह के फ्लेवर भी मौजूद होते हैं। टूथपेस्ट हमारे दांतों को फ्रेश और चमकदार बनाते है। लेकिन कई बार आपने नोटिस किया होगा कि टूथपेस्ट के अंदर अलग-अलग रंग की धारियां होती है। इनमें से कुछ रेड होती हैं तो कुछ ब्लू लेकिन क्या आपको पता है ये क्यों होती हैं? और इसका मतलब क्या होता है? हम में से कई लोगों को आजतक ऐसा लगता था कि टूथपेस्ट के अंदर मौजूद ये धारियां पेस्ट को सुन्दर दिखाने के लिए होती है। लेकिन आपको बता दें कि ऐसा बिलकुल नहीं ह। इन धारियों का एक ?ास मतलब होता है. आज हम आपको बताने जा रहे है कि आखिर इन कलर्ड स्ट्रिप्स का मतलब क्या होता है? इन स्ट्रिप्स के रंगों के पीछे कई तरह के राज होते है। आम तौर पर टूथपेस्ट सफेद रंग के होते है। इनके अंदर सिर्फ वही इंग्रीडिएंट होते हैं जो दांतों को सफेद रखने में मदद करती है, जिन टूथपेस्ट्स में ब्लू और ग्रीन स्ट्रिप्स होते हैं, उनमें एंटीमाइक्रोबियल कंपोनेंट्स होते है। ये सांसों को फ्रेशनेस देने के लिए यूज किये जाते है। ग्रीन स्ट्रिप्स का एक मतलब ये भी है कि टूथपेस्ट में नेचुरल इंग्रीडिएंट का इस्तेमाल किया गया है। जिन टूथपेस्ट्स में आपको लाल धारी दिखे, यानी उसमें ऐसे इंग्रीडिएंट हैं जो मसूढ़ों को हेल्दी रखते है। इसके अलावा लाल धारी का एक मतलब ये भी है कि पेस्ट में केमिकल्स का इस्तेमाल किया गया है।

अजब-गजब | क्या आप जानते हैं कारण

भारत में दाएं लेकिन अमेरिका में बाएं क्यों होती है स्टेयरिंग?

सड़क पर कारों को दौड़ते हुए आपने कई बार देखा होगा। विदेशों में महंगी गाड़ियां धड़ल्ले से सड़कों पर दौड़ती हैं। वहां इसमें कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन भारत में अगर सड़क पर कोई एक्सपेंसिव कार दिख जाती है तो लोग पलट-पलट कर उसे देखते हैं। भारत में आपको हैवी ट्रैफिक देखने को मिल जाता है जबकि विदेशों में सड़कें इतनी चौड़ी हैं कि काफी रेयर ही ट्रैफिक की समस्या देखने को मिलती है। लेकिन एक और बात है जो विदेशों में और भारत में अलग है।

भारत में सड़कों पर दौड़ने वाली कारों में स्टेयरिंग हमेशा दाएं तरफ होती है। जबकि विदेशों में दौड़ने वाली कारों में आपको स्टेयरिंग बाएं तरफ देखने को मिलेगी। हम कई बार इसे नोटिस करते हैं लेकिन शायद ही कभी ये जानने की कोशिश की होगी कि इसकी वजह क्या है? अगर आपको भी इसका जवाब नहीं पता है तो आज हम इस सवाल का जवाब आपको बताने जा रहे हैं। भारत में दायीं तरफ स्टेयरिंग होने के पीछे कारण है इंग्लैंड। जी हां, इंग्लैंड की ही वजह से भारत की कारों में स्टेयरिंग दाएं साइड बनाई जाती है। दरअसल, इंग्लैंड में काफी समय पहले से ही कार में स्टेयरिंग राइट साइड में होती थी। चूंकि भारत लंबे समय तक इंग्लैंड की गुलामी में रह चुका है, ऐसे में वहां की सरकार ने भारत में भी कार के अंदर स्टेयरिंग को दाएं साइड में ही लगवा दिया। उन सभी देशों में, जहां इंग्लैंड का शासन रहा है, स्टेयरिंग राइट साइड में ही दिखती है। भारत से उलट अमेरिका में कार के अंदर आपको स्टेयरिंग लेफ्ट साइड में देखने को मिलेंगे। इसकी भी एक खास वजह है। 18वीं शताब्दी में अमेरिका में टीमस्टर्स चलते थे। इन्हें घोड़ों की मदद से खींचा जाता था। इसमें ड्राइवर के बैठने की जगह नहीं होती थी। इस कारण वो घोड़े पर बैठकर उसे राइट साइड से लेफ्ट हैंड से चाबुक मारता था। हालांकि इस दौरान उसे पीछे से आने वाली घोड़ा गाड़ी नजर नहीं आती थी। इस कारण बाद में अमेरिका की सड़कों में गाड़ियों के स्टेयरिंग लेफ्ट साइड में लगने शुरू हो गए।

मेधावियों से बोले सीएम योगी, पूरे विश्वास से करें कंपटीशन की तैयारी

» रोज पढ़े अखबार, जाएं लाइब्रेरी, सरकार चला रही अभ्युदय कोचिंग

» योग और परिश्रम करने की भी दी सीख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंटरमीडिएट पास हुए मेधावी छात्रों से बुधवार को अपने आवास पर मुलाकात की। उन्होंने छात्रों को हिदायत दी कि अगर प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होना है तो उन्हें नियमित रूप से समाचार पत्र पढ़ना चाहिए। उन्होंने छात्रों को रोज लाइब्रेरी जाने, सुबह जल्दी उठने योग और परिश्रम करने की भी सीख दी।

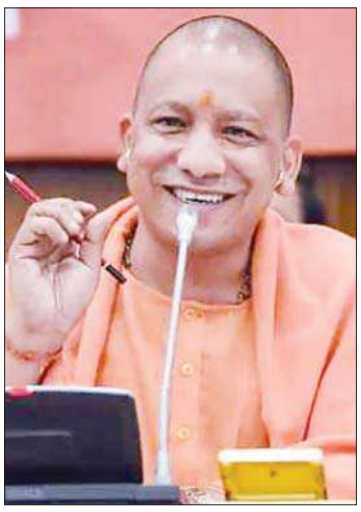

योगी ने मेधावी छात्रों से संवाद करते हुए कहा कि सिर्फ अपने से ही जुड़ी न्यूज न पढ़ें, पूरी न्यूज पढ़ने की आदत डालें। बहुत बार मुख्य हेडिंग और अंदर के समाचार में अंतर होता है इसलिए हेडिंग ही न पढ़ें बल्कि गहनता से पूरी न्यूज पढ़ें। संपादकीय पृष्ठ जरूर पढ़ें। उसमें तमाम बुद्धिजीवियों, विद्वानों, राजनेताओं व चिंतकों के सारगर्भित लेख होते हैं। यह पृष्ठ बहुत सारी जानकारियों का खजाना होता है। छात्रों के सामान्य ज्ञान के लिए यह बहुत जरूरी है।

उन्होंने कहा कि कंपटीशन की तैयारी में आप अगर खुद को अपडेट नहीं करेंगे तो ठीक नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने एक-एक कर सभी छात्रों से भविष्य की तैयारियों के बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि पूरे विश्वास के साथ तैयारी करें। घबराएं नहीं और यह विश्वास रखें कि सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने छात्रों से पूछा, आप में कितनों ने सरकार द्वारा प्रतियोगी छात्रों के लिए शुरू की गई अभ्युदय कोचिंग के बारे में सुना है। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश सरकार ने हर स्तर के बच्चों के लिए एनडीए की तैयारी के लिए, जो छात्र नीट, आईआईटी -जेईई की तैयारी करना चाहते हैं, उनके लिए अभ्युदय कोचिंग शुरू की है। बहुत सारे बच्चों के माता-पिता महंगी फीस नहीं दे पाते इसलिए सरकार ने अभ्युदय कोचिंग की शुरुआत की है।

वे लोग इसका संचालन कर रहे हैं जो उसे पास कर चुके हैं। जैसे जिले में जितने भी नए आईएएस हैं, वे जिलों में अपनी सेवा दे रहे हैं। डॉक्टर भी नीट के बारे में बताते हैं। वर्चुअल क्लास को कोई भी देख सकता है। उन्होंने कहा कि छात्र का काम केवल अच्छे अंक पाना ही नहीं है बल्कि लंबे समय तक मन और शरीर दोनों को ठीक रखते हुए देश की सेवा में भी जुटना है।

कुर्क होगी मुख्तार अंसारी की पत्नी की संपत्ति

4पीएम न्यूज नेटवर्क

मऊ। जेल में बंद पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रदेश सरकार के एंटी माफिया अभियान के तहत मुख्तार की पत्नी आफसा अंसारी की करीब तीन करोड़ 76 लाख की संपत्ति कुर्क होगी। मऊ के जिलाधिकारी अरुण कुमार ने गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए यह आदेश दिया है।

» 3 करोड़ 76 लाख की संपत्ति कुर्क करने का आदेश

आफसा अंसारी निवासी दर्जी टोला वार्ड नंबर 9 गाजीपुर ने अवैध रूप से अर्जित धन से अपने नाम से जमीन खरीदी। जमीन मौजा शेखपुर परगना व तहसील सदर में स्थित है। इस जमीन का बाजार मूल्य लगभग तीन करोड़ 76 लाख है। आफसा अंसारी के खिलाफ गाजीपुर और मऊ में मुकदमा दर्ज है।

करंट लगने से दो लोगों की मौत, हंगामा

» अधिशासी अभियंता समेत चार पर मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। मूंढापांडे के मनकरा मिलक गांव में हाइवोल्टेज लाइन की चपेट में आकर दो लोगों की मौत हो गई। गुस्साए ग्रामीणों ने दिल्ली-मुरादाबाद हाईवे में शव रखकर हंगामा किया। दोनों मृतकों की पत्नियों की तहरीर पर विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता, अवर अभियंता के साथ दो लाइनमैन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मुरादाबाद के मूंढापांडे थाना क्षेत्र के मनकरा मिलक निवासी डोरी लाल किसान हैं। परिवार में पत्नी नीतू के साथ दो बेटे और एक बेटी है। डोरी लाल खेत बटाई में लेकर सब्जी उगाते और बाजार में बेचते थे जबकि नन्हू चौहान ई-रिक्शा चलाने परिवार की गुजर बसर कर रहे थे। परिवार में पत्नी मंजेश और सात बेटियां हैं। ग्रामीणों के अनुसार बुधवार रात ट्रैक्टर चालक ने विद्युत पोल में टक्कर मार दी। पोल टूटने से गांव की विद्युत आपूर्ति बंद हो गई। लाइनमैन जाने आलम व जगतपाल सिंह को सूचना दी गई। ग्रामीणों का आरोप है दोनों लाइनमैन ने अधिशासी अभियंता रोहताश सिंह व भीतखेड़ा बिजलीघर में तैनात

अवर अभियंता से बात की। लाइनमैन ने ट्रैक्टर चालक से दस हजार लिए और हाइवोल्टेज लाइन का तार को जोड़कर आपूर्ति शुरू कर दी। रात एक बजे डोरीलाल पानी पीने के लिए घर के बाहर लगे हैंडपंप में आए थे। इस दौरान टूटे पड़े तार की चपेट में आ गए जबकि उनके घर से कुछ दूरी पर रहने वाले नन्हू चौहान सुबह पंखा चलाने के लिए उठे थे। जैसे ही उन्होंने पंखे का प्लग बोर्ड में लगाया वह भी करंट की चपेट में आ गए। स्वजन आनन-फानन में उन्हें मूंढापांडे के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लेकर पहुंचे। डाक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए हंगामा किया।

मायके से नहीं आई पत्नी तो फंदे से लटका पति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फिरोजाबाद। पत्नी के मायके से न आने पर युवक फंदे से लटक गया। परिजन उसको उपचार को सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आए। चिकित्सक ने उसको मृत घोषित कर दिया।

रसूलपुर थाना क्षेत्र के मोहल्ला आसफाबाद निवासी इकबाल का निकाह चार साल पहले हाथरस के सादाबाद निवासी युवती के साथ हुआ था। दो माह पूर्व पत्नी मायके गई थी। उसे बुलाने के लिए दो बार इकबाल ससुराल गया, लेकिन पत्नी से आने से मना कर दिया। मंगलवार को इकबाल की मां भी बहू को बुलाने के लिए गई थी लेकिन उसने आने से मना कर दिया। इससे आहत होकर युवक ने बुधवार दोपहर घर के कमरे में फंदे से लटक गया। परिजन उसको उपचार को सरकारी ट्रामा सेंटर लेकर आए। यहां चिकित्सक ने उसको मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष रसूलपुर कमलेश सिंह का कहना है कि युवक ने फंदे पर लटककर आत्महत्या की है।

अब कॉलोनियों से यूजर चार्ज वसूलेगी आवास विकास परिषद

» प्रदेश भर में लागू होगा नियम, 50 से 7000 तक देनी होगी धनराशि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आवास विकास परिषद राजधानी समेत प्रदेश की 26 कॉलोनियों से यूजर चार्ज वसूलेगी। यह राशि 50 से लेकर 7000 रुपए महीने तक होगी। लखनऊ समेत 18 शहरों में निजी एजेंसियों के माध्यम से यह वसूली होगी। परिषद अपनी कॉलोनियों में विज्ञापन भी कराएगा। इसके जरिए आमदनी बढ़ाने की तैयारी है। लखनऊ में अवध विहार, वृंदावन योजना, गोकुल ग्राम तथा आम्रपाली योजना में यूजर चार्ज वसूला जाएगा। आवास विकास उन कॉलोनियों में यूजर चार्ज वसूलने जा रहा है जो अभी तक नगर निगम को हैंडओवर नहीं हो पाई हैं।

प्रदेश के 18 शहरों में ऐसी 26 कॉलोनियां हैं । यूजर चार्ज की वसूली आवास विकास परिषद निजी संस्था से कराएगा। आवास विकास की 24 जून को होने वाली बोर्ड बैठक में इस पर फैसला

होगा। इन कॉलोनियों के अनुरक्षण के नाम पर आवास विकास को काफी बजट खर्च करना पड़ रहा है। बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद यूजर चार्ज की वसूली शुरू हो जाएगी। प्रस्ताव के मुताबिक 50 वर्ग मीटर से छोटे मकान से 50 रुपये, 50 वर्ग मीटर से बड़े आवासीय भवन से 100 रुपए, कपड़े, जूता चप्पल, स्पोर्ट्स, बिजली पार्ट्स, स्टेशनरी दुकान से 100 रुपए, मॉडल शॉप से 200 रुपए, सेनेटरी की दुकान, हेयर ड्रेसर, जनरल मर्चेंट की दुकान से 200 रुपए, 10 बेड के अस्पताल से 1000, डिग्री कॉलेज व विवि से 3000, 100 वर्ग मीटर तक के रेस्तरां 3000 रुपये, होटल, बैंक्वेंट हॉल, गेस्ट हाउस, कमर्शियल जोन से 7000 रुपये लिए जाएंगे।

राहुल गांधी की नयी छवि से भाजपा भयभीत!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की पूछताछ करीब चालीस घंटे से ज्यादा चली। राहुल से अकेले में पूछताछ की गई, इस दौरान उनके वकील को भी साथ रहने की अनुमति नहीं दी गई। आशंका जताई जा रही है कि राहुल गांधी को गिरफ्तार किया जा सकता है। ऐसे में सवाल उठता हैं क्या राहुल को जेल भेजना चाहती है भाजपा? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सुशील दुबे, राजेश बादल, केपी मलिक, डॉ. अनिल यादव, प्रो.रविकांत, कांग्रेस प्रवक्ता शुचि विश्वास और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सुशील दुबे ने कहा, राहुल गांधी के बाद सोनिया को भी ईडी के सामने पेश होना पड़ेगा। ईडी शिंदे को क्यों नहीं बुला रही? ये चूहा-बिल्ली का खेल खेलेंगे। गिरफ्तार नहीं करेंगे, परेशान करेंगे। ये राजनीतिक प्रताड़ना है। प्रो. रविकांत ने कहा, बीते दो-तीन सालों में इकोनामी, कोरोना और चीन मुद्दे पर कई सवालों को राहुल गांधी ने जनता के सामने रखा है, उससे भाजपा डरी हुई है। राहुल की छवि निखरने लगी हैं, इससे भाजपा परेशान है इसलिए भाजपा डैमेज करने में जुटी हुई हैं। शुचि विश्वास ने कहा कांग्रेस ही एक मात्र दल है जो लोकतंत्र बचाने के लिए मुखर होकर भाजपा से लड़ रही है। भाजपा की कोशिश है लगातार दबाने की, झुकाने की, मगर राहुल गांधी डरने वाले नहीं है। राहुल ही नहीं, देश समझ रहा है कि सरकार की मंशा क्या है।

राजेश बादल ने कहा इस मामले में इतनी पूछताछ, इतनी खबरें, इतना प्रचार हो चुका है तो ये साफ है कि ये सियासी मामला है। पार्टी में कुछ गलतियां हुई हैं इसी का खामियाजा आज कांग्रेस भुगत रही है। डॉ. अनिल यादव ने कहा, मोदीजी तीसरी बार पीएम बनना चाहते हैं। हिंदू-मुसलमान करते आ रहे है, भारत-पाक करते आ रहे है। 63 फीसदी आज भी बीजेपी को पसंद नहीं करते हैं, 37 फीसदी से ही सरकार बनीं तो भाजपा चाहती है कि विपक्षी एकता एक न हो। केपी मलिक ने कहा, ईडी का प्रयोग सत्ताधारी दल करते रहे, इसमें कोई नई बात नहीं। जनता राहुल गांधी को सीरियस ले रही तो ये भाजपा के लिए चिंता का विषय है।

पीलीभीत में भीषण सड़क हादसा

गंगा स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं की गाड़ी पेड़ से टकराई, दस की मौत

» सात लोग घायल, मृतक सभी एक ही परिवार के थे

» सड़क हादसे पर सीएम योगी ने दुख जताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीलीभीत में 17 श्रद्धालुओं से भरी पिकअप अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में एक ही परिवार के नौ लोगों सहित दस की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। इसमें एक की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी श्रद्धालु हरिद्वार से गंगा-स्नान करके घर लौट रहे थे। सीएम योगी ने हादसे पर दुख जताया है और मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

हादसा गजरौला थाना क्षेत्र के मालामुड़ के पास हुआ। मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया। हादसे में घायल एक व्यक्ति ने बताया कि सुबह कुछ लोग नींद में थे। कुछ लोग जगे हुए थे। ड्राइवर को भी बार-बार झपकी आ रही थी। जैसे ही पिकअप गजरौला के पास पहुंची एक तेज धक्का लगा और चीख पुकार मच गई। किसी तरह से गाड़ी से उतरा तो देखा कि पिकअप पेड़ से टकरा गई थी। उसने बताया कि लखीमपुर जिले के गोला कस्बे के रहने वाले लालमन अपने परिवार के साथ पिकअप से घर लौट रहे थे। 2 साल की पोती खुशी उनकी गोद में बैठी थी। हादसे के दौरान लालमन (63) उनकी पत्नी सरला (60), बहु लक्ष्मी (28), रचना (28), पोते हर्ष (16), सुशांत (14) और आनंद (3), पोती खुशी (2) और बेटा श्याम सुंदर (45) की मौत हो गई। परिवार के सीलम, संजीव, प्रशांत, कृष्णपाल घायल हैं, जिनमें प्रशांत की हालत गंभीर बनी हुई है।

शादी के बाद गंगा नहाने गया था परिवार

सड़क हादसे में घायल हुए संजीव शुक्ला की बेटी कुसुम की शादी आठ दिन पहले सीतापुर जिले के मोहम्मदी में हुई थी। शादी का कार्यक्रम संपन्न होने के बाद परिवार के सभी लोग गंगा नहाने गए थे। वापस आते समय हादसा हो गया। सड़क हादसे पर सीएम योगी ने दुख जताया है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि सड़क दुर्घटना में हुई लोगों की मौत अत्यंत दुःखद है। मृतकों के परिवार को दो-दो लाख की आर्थिक सहायता देने घोषणा की गई है। सपा ने भी ट्वीट कर हादसे पर दुख जताया है।

मुख्य सचिव की दो टूक

जनप्रतिनिधियों का फोन अवश्य उठाएं अधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा ने निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी जनप्रतिनिधियों और उच्चाधिकारियों का फोन जरूर रिसीव करें। उनकी समस्याओं पर कार्यवाही कर उन्हें अवगत भी कराएं। वे जिलों के आला अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर पिछड़े आकांक्षात्मक नगरीय क्षेत्रों को विकसित करने के संबंध में निर्देश दे रहे थे।

उन्होंने कहा कि सभी जिला अधिकारी और मंडलायुक्त अपने-अपने जिलों और मंडलों में जलभराव वाले इलाकों की समीक्षा कर बाढ़ बचाव के उपाय करें। उन्होंने कहा कि फाइलें व वित्तीय प्रस्ताव ज्यादा दिन तक लंबित नहीं रखा जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश को एक खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला प्रदेश बनाने में हर जिले का योगदान आवश्यक है। स्टार्टअप और न्यू स्किल के साथ हर अच्छे काम को ज्यादा से ज्यादा प्रचारित और प्रसारित करें। लखीमपुर खीरी के डीएम ने केले के रेशे से बने उत्पादों का प्रस्तुतीकरण दिया।

फोटो: 4पीएम

ओलंपिक-डे लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर राजधानी में हुई ओलंपिक डे रन में सैकड़ों की संख्या में खिलाड़ियों के साथ खेलप्रेमी भी शामिल हुए। यह दौड़ सुबह सात बजे शहीद स्मारक से शुरू होकर केडी सिंह बाबू स्टेडियम पर खत्म हुई। इस दौरान सभी खिलाड़ियों और खेल संघ पदाधिकारियों को खेल के प्रति सजगता और खेल भावना की शपथ दिलाई गई।

नहीं मिली एंबुलेंस, डिप्टी सीएम पाठक सख्त

दिये जांच के आदेश, गाजियाबाद में मरीज को ठेले में लाया गया था अस्पताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार बेशक एंबुलेंस सेवाओं को बेहतर मान रही हो लेकिन गाजियाबाद में फोन करने पर भी एंबुलेंस मिलना मुश्किल काम है। एक ऐसा ही मामला सामने आया है, जिसमें मरीज को एंबुलेंस नहीं मिल पाई। मजबूर होकर साहिबाबाद की शोभा अपनी मां जयबाला को ठेले में डालकर जिला एमएमजी अस्पताल पहुंची। ठेले को उसका भाई जयसिंह चलाकर लाया। इसका वीडियो वायरल होने पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने जांच बैठा दी है।

उन्होंने गाजियाबाद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से 25 जून तक जांच और कार्रवाई रिपोर्ट देने को कहा है। डिप्टी सीएम ने ट्वीट कर लिखा गाजियाबाद में टीबी मरीज को स्ट्रेचर न मिलने व रिक्शे पर मरीज को ले जाने संबंधी मीडिया रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए मैंने सीएमओ गाजियाबाद को उक्त प्रकरण के संबंध में जांचकर दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्यवाही करते हुए रिपोर्ट 25 जून, 2022 तक उपलब्ध कराये जाने के आदेश दिये हैं। यह भी बता दें कि अस्पताल के गेट पर मरीज को स्थिति को देखकर इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। मेडिकल ऑफिसर डॉ. नितिन प्रियदर्शी ने मरीज की गंभीर हालत को देखते हुए तुरंत जीटीबी अस्पताल दिल्ली के लिए रेफर कर दिया। उधर सीएमओ डा. भवतोष शंखधर ने इस प्रकरण में जांच कराने की बात कही है।

मुखर्जी ने राष्ट्र की सेवा में दिया अपना सर्वोच्च बलिदान : योगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 69वीं पुण्यतिथि पर आज देश उनको याद कर रहा है। लखनऊ में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि के बाद उनको नमन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कांग्रेस की तुष्टीकरण नीति और देश की एकता-अखंडता व सुरक्षा के साथ उनकी खिलवाड़ करने की प्रवृत्ति के खिलाफ आवाज दी थी।

उन्होंने स्पष्ट कहा था कि एक देश में दो प्रधान, दो विधान और दो निशान नहीं चलेंगे, और इसके लिए उन्होंने स्वयं को बलिदान किया। मां भारती के अमर सपूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्र की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका सम्पूर्ण जीवन राष्ट्रीय एकता-अखंडता के लिए समर्पित रहा। वह जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष थे। उन्होंने भारतीय राजनीति को उत्कृष्ट लोकतांत्रिक मूल्यों से सुवासित कराया। देश की एकता-अखंडता की रक्षा के लिए उनका बलिदान हम सभी के लिए अप्रतिम प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान ने उस समय पूरे देश को झकझोर दिया था। उन्होंने कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति के खिलाफ आवाज उठाई थी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।